सशस्त्र सेना झंडा दिवस

स्रोत: बिज़नेस स्टैंडर्ड

भारतीय सशस्त्र बलों के कार्मिकों, विशेषकर भूतपूर्व सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को सम्मानित करने के लिये **सशस्त्र सेना झंडा दिवस (Armed Forces Flag Day- AFFD) 1949 से प्रति वर्ष 7 दिसंबर** को मनाया जाता है।

- यह दिन न केवल शहीद सैनिकों के बलिदान को याद करता है, बल्कि उनके परिवारों, विशेष रूप से युद्ध में विकलांग हुए सैनिकों और **युद्ध विधवाओं (वीर नारियों) के योगदान को भी याद करता है।**

समर्थन पहल:

- **AFFD फंड:** इसकी स्थापना **वर्ष 1949 में रक्षा मंत्रालय द्वारा** की गई थी। वर्ष 1993 में इसे युद्ध पीड़ितों और पूर्व सैनिकों के कल्याण कोष सहित अन्य कल्याण कोषों के साथ एकीकृत कर एक कोष बना दिया गया।
    - KSB पूरे भारत में पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिये कल्याण तथा पुनर्वास योजनाएँ तैयार एवं क्रियान्वित करता है।
        - केंद्रीय **सैनिक बोर्ड (Kendriya Sainik Board- KSB) AFFD फंड का** प्रबंधन करता है।
- **डिजिटल समाधान: SAMBANDH**, एक व्हाट्सएप-आधारित चैटबॉट है, जो भूतपूर्व सैनिकों को आसानी से शिकायत दर्ज करने और उसका समाधान करने में मदद करता है। इस प्लेटफॉर्म ने एक वर्ष से भी कम समय में 1,700 से अधिक मामलों को सुलझाने में मदद की है।
- **महिलाओं के लिये कौशल विकास:** नारी **सशक्तीकरण** पहल का उद्देश्य नौकरी प्रशिक्षण और आर्थिक स्वतंत्रता के अवसर प्रदान करके शहीद सैनिकों की विधवाओं सहित महिलाओं को सशक्त बनाना है।
- **परियोजना NAMAN:** इसका उद्देश्य **दिग्गजों के लिये पेंशन सेवाओं को सरल बनाना,** जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने तथा पेंशन संवितरण जैसी सेवाओं तक आसान पहुँच सुनिश्चित करना है।

और पढ़ें: भारत में रक्षा एकीकरण का उन्नयन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/armed-forces-flag-day-1